# समझ की रणनीतियों का शिक्षण भाग 1: परिचय और संक्षिप्त विवरण

Early Literacy Initiative
Tata Institute of Social Sciences, Hyderabad

Practitioner Brief (14)
2019

Supported by
TATA TRUSTS

This Practitioner Brief is part of a series brought out by the Early Literacy Initiative anchored by the Azim Premji School of Education at the Tata Institute of Social Sciences, Hyderabad.

## समझ की रणनीतियों का शिक्षण भाग 1: परिचय और संक्षिप्त विवरण



अपने स्कूल के दिनों को याद करें : क्या कभी आपके शिक्षकों ने आपको दिखाया था कि जो आपने पढ़ा है उसे कैसे समझना है? ज़्यादातर लोगों के लिए, जवाब "नहीं" होगा।

किसी पाठ को पढ़ने के बाद, आपके शिक्षकों ने आपसे उस पढ़े गए पाठ का मतलब पुछा होगा और आपको बताया होगा कि आपका उत्तर सही था या गलत। उन्होंने उन छात्रों को जो पढ़े गए पाठ को नहीं समझ पाए , "कमज़ोर पाठक" बतलाते हुए उनसे "फिर से पढ़ने" या "अधिक ध्यान देने" के लिए कहा होगा। या हो सकता है कि उन्होंने आपको सीधे –सीधे पाठ का अर्थ समझा दिया होगा, बिना यह बताये कि वो इस अर्थ तक कैसे पहुँच पाए।

जब आप स्कूल में थे तब से अब तक चीज़ें बहुत ज्यादा नहीं बदली हैं - आज भी ज़्यादातर भारतीय कक्षाओं में इसी तरह की प्रथाएँ प्रचलित हैं ((Menon et al., 2017, Sah, 2009, as cited in Sinha, 2018))। हालाँकि, इन पद्धतियों का उपयोग करते समय शिक्षकों की मंशा तो अच्छी रहती है, फिर भी इससे छात्रों में समझने के कौशल का विकास ठीक से विकसित नहीं हो पाता है। ज़्यादा से ज़्यादा, छात्र चर्चा किए गए उस विशिष्ट पाठ को ही समझ पाते हैं। लेकिन पाठ को 'कैसे समझना है' ये सिखाये बिना, ये अभ्यास छात्रों को *नए* पाठ की समझ बनाने में मदद नहीं करते । बल्कि इससे, छात्र **निष्क्रिय** हो सकते हैं और समझ बनाने के लिए पूरी तरह से शिक्षक पर निर्भर होने लगते हैं। (सिन्हा, 2018)।

इस "कैसे करना है " में क्या शामिल है ? संयुक्त राज्य अमेरिका में किए गए शोध में यह बताया गया है कि जो लोग पाठ को अच्छी तरह से समझते हैं ("कुशल पाठक") वे पढ़ते समय अर्थ का निर्माण करने के लिए कई *रणनीतियों* का उपयोग करते हैं (प्रेसले, 2001)। उदाहरण के लिए, वे किसी पाठ को पढ़ने के लिए लक्ष्य निर्धारित करते हैं, पाठ को पढ़ने से पहले उसका पूर्वावलोकन करते हैं, आगे आने वाले पाठ के बारे में अनुमान लगाते है, पाठ में मिलने वाली नयी जानकारियों को वे अपने पूर्वज्ञान से भी जोड़कर देखते हैं आदि। वहीँ दूसरी ओर, नए या कमज़ोर

पाठक या तो इन रणनीतियों का उपयोग नहीं करते हैं, या वे उन्हें लगातार उपयोग नहीं करते हैं। इसलिए, वे पाठ को अच्छी तरह से समझने में असमर्थ रहते हैं।

एक शिक्षक के लिए छात्रों को पाठ का अर्थ "समझा देना " ज़्यादा आसान होता है। मेनन और उनके सहयोगियों (2007) ने उसमें शिक्षकों ने कड़ी मेहनत से अपने छात्रों को अनुछेद का अर्थ वाक्य दर वाक्य समझाने की प्रक्रिया को लिखा है।इन प्रयासों के बावजूद, बच्चे स्वतंत्र रूप से उन पाठों की समझ नहीं बना पा रहे थे।

समझ बनाने की रणनीतिओं के शिक्षण में शिक्षक छात्रों को पाठ की व्याख्या नहीं करते; बल्कि वे पाठ की समझ बनाने के वे तरीके सिखाते हैं जिससे कि वे पाठ का खुद से कैसे अर्थ निर्माण कर सकें । यह पाठों की व्याख्या करने की तुलना में कहीं अधिक प्रभावी है। शोध ने साबित किया है कि सभी छात्रों को समझ बनाने की रणनीतियों को सिखाया जा सकता है। यहाँ तक कि वे बच्चे भी जो स्वाभाविक तौर से अर्थ निर्माण करने में अच्छे नहीं हैं, यह सीख सकते हैं कि सीखना कैसे है, बशर्ते हम उन्हें सिखाएं ।

संक्षेप में, ये मानना कि आपके छात्र स्वयं से अर्थ निर्माण करना सीख लेंगे , या आपको उन्हें पाठों का अर्थ समझाने की आवश्यकता होगी, आप उन्हें समझ बनाने की रणनीतियाँ सिखा सकते हैं। निर्देशित अभ्यास के लिए प्रत्यक्ष शिक्षण और कई अवसरों के साथ, छात्र सफलतापूर्वक इन रणनीतियों का उपयोग करना सीख सकते हैं और अपनी समझ को बेहतर कर सकते हैं।

आगे बढ़ने से पहले कुछ महत्वपूर्ण बिंदु। कई शिक्षकों का मानना है कि बच्चों को अर्थ निर्माण पर ध्यान केंद्रित करने के लिए तभी कहा जाना चाहिए, जब उन्होंने *अक्षर* और शब्दों को पढ़ना सीख लिया हो। हालाँकि, बच्चे स्वाभाविक रूप से अर्थ-निर्माण करते हैं और शुरुआती कक्षा से ही जो कहानियाँ और किताबें आप उन्हें पढ़ कर सुनाते हैं, वे उनकी समझ बनाने की कोशिश करते हैं। इसलिए, शुरुआती कक्षाओं से छात्रों के स्तर को ध्यान में रखते हुए समझ के शिक्षण पर ध्यान देना महत्वपूर्ण है । कक्षा में प्रारंभिक साक्षरता के समृद्ध, संतुलित, व्यापक दृष्टिकोण के एक भाग के रूप में 'समझना सिखाना' बहुत महत्वपूर्ण है[2]।

---

[1] Illustration at the top by James Yang in American Educator's Spring 2012 issue. Retrieved from: https://www.aft.org/sites/default/files/periodicals/Rosenshine.pdf

[2] Read ELI's practitioner brief on comprehensive literacy here: http://eli.tiss.edu/wp-content/uploads/2017/08/Comprehensive_Literacy_Practitioner_Brief_12_PDF.pdf

ई एल आई ने शिक्षण अभ्यास की रणनीतियों पर दो हैंडआउट को एक साथ रखा है। भाग एक परिचय और संक्षिप्त विवरण प्रदान करेगा, जबकि भाग दो विशेष रूप से "स्वयं से बातचीत करते हुए सोचने" (Think Aloud) के संचालन करने के तरीके पर चर्चा करेगा। यह हैंड आउट दो श्रृंखलाओं का पहला भाग है । इसे आगे दो खंडों में विभाजित किया गया है। भाग A ज़िम्मेदारी का क्रमिक हस्तांतरण (GRR) मॉडल (ड्यूक एंड पियर्सन, 2009) के बारे में बताता है। भाग B समझ बनाने की चार महत्वपूर्ण रणनीतियों का वर्णन करता है और शिक्षक को ऐसी गतिविधियां प्रदान करता है जिनका वे उपयोग कर सकते हैं या आवश्यकता के अनुसार फेर-बदल कर सकते हैं । भाग **B** का समापन सुझाये गए पुस्तकों की तालिका के साथ करते हैं जिसका उपयोग भारतीय संदर्भ में शिक्षकों द्वारा विभिन्न समझ बनाने की रणनीतियों को सिखाने के लिए किया जा सकता है।

## भाग A: The Gradual Release of Responsibility Model (ज़िम्मेदारी का क्रमिक हस्तांतरण मॉडल)

समझ बनाने की रणनीतियों को रातों-रात नहीं सीखा जा सकता है, और ना ही छात्रों को उन्हें केवल बताकर सिखाया जा सकता है। इससे पहले कि छात्रों से इस रणनीति का इस्तेमाल करने की अपेक्षा करें, शिक्षकों को इस रणनीति को करके दिखाने (मॉडल करने)की आवश्यकता होती है, इसके बाद छात्रों को मार्गदर्शन देना होता है कि इसका उपयोग कैसे करना है। ड्यूक एंड पियर्सन (2009) ने व्यापक निर्देश (Comprehensive Instruction) के ***ज़िम्मेदारी का क्रमिक हस्तांतरण मॉडल*** ( GRR मॉडल ) के रूप में इसका उल्लेख किया है। इस प्रक्रिया को पहचानने के चार पहलू है (तालिका 1 देखें)।

तालिका 1

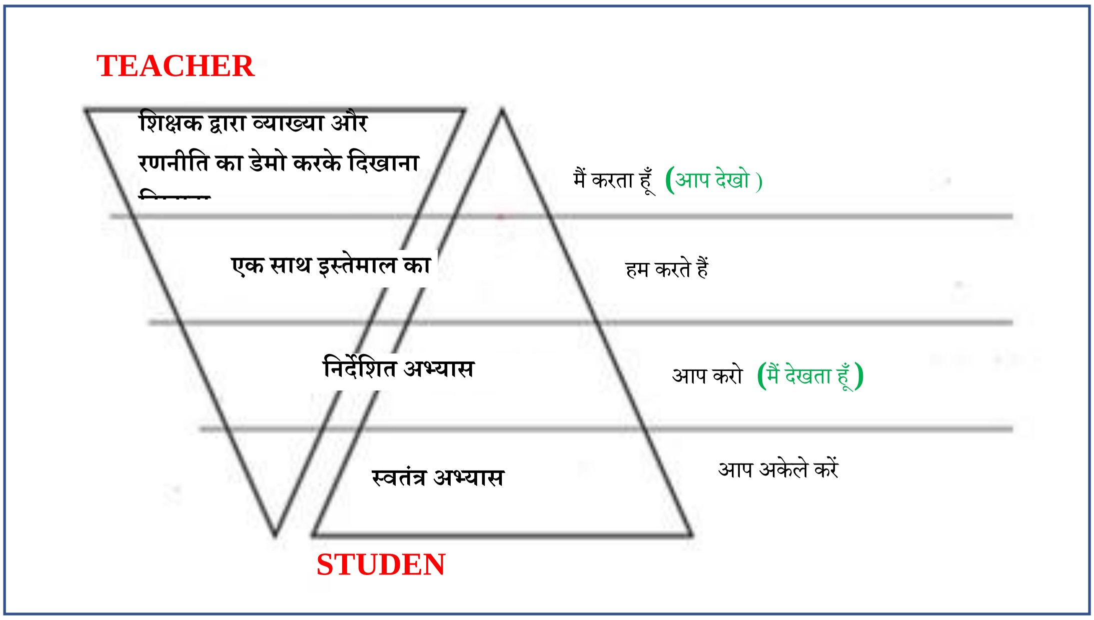
*समझ बनाने की रणनीतियों का परिचय और अभ्यास*

| | |
|---|---|
| पहला | **रणनीति को करके दिखाना**<br>शिक्षकों को छात्रों को स्पष्ट रूप से रणनीति का परिचय देना चाहिए और इसके उपयोग को खुद करके दिखाना चाहिए। उदाहरण के लिए, एक शिक्षक छात्रों को अनुमान लगाने की रणनीति का परिचय दे सकते हैं *और "आपको क्या लगता है कि कहानी किस बारे में है?", "आपको क्या लगता है कि कहानी में आगे क्या होगा?"* या " *आपको क्या लगता है कि इस कहानी का अंत क्या होगा ?"* जैसे प्रश्न पूछकर मॉडल करके दिखा सकते हैं |

| | |
|---|---|
| दूसरा | **रणनीतियों का सम्मिलत तरीके से इस्तेमाल**<br>समझ बनाने की रणनीति परिचय देने और मॉडलिंग करने के बाद, शिक्षकों और छात्रों को मिलकर एकसाथ इसका उपयोग करना चाहिए। उदाहरण के लिए, मुखर वाचन के दौरान, शिक्षक छात्रों को उस रणनीति का उपयोग करने के लिए प्रोत्साहित कर सकते हैं जो वह पिछले पाठ में पहले ही बता चुके है । वह बच्चों को स्वेच्छा से कहानी के महत्वपूर्ण बिंदुओं की पहचान करने के लिए आमंत्रित कर सकती है जहाँ अनुमान लगाना अर्थ-निर्माण करने में सहायक होता हैं। |

| | |
|---|---|
| तीसरा | **निर्देशित अभ्यास**<br>जब छात्रों ने समझ बनाने की रणनीतियों का उपयोग करने के विचार को समझ लिया है ,और इसका उपयोग करने के लिए तैयार हो , तो भी उन्हें स्वतंत्र रूप से पढ़ने के दौरान विशिष्ट रणनीतियों के उपयोग के लिए मार्गदर्शन आवश्यकता होती है। विशिष्ट रणनीतियों का उपयोग कब और कहां करना है, यह सीखने में छात्रों को प्रोत्साहित करना एक दीर्घकालिक प्रयास है, और इसपर बार- बार चर्चा करने की आवश्यकता होगी। उदाहरण के लिए, एक बच्चा जो तथ्य-परक पाठ (नॉन फिक्शन) किताब पढ़ने में कठिनाई महसूस कर रहा है। शिक्षिका उस बच्चे को उन रणनीतियों के बारे में याद दिला सकती है जो उसने बताई थी, जैसे सारांश बनाना । वह बच्चे को अनुमान लगाने, प्रश्न पूछने में मदद कर सकती थी। यदि बच्चा स्वतंत्र रूप से पढ़ रहा था, तो शिक्षिका बच्चे को एक पेंसिल के साथ पाठ को चिह्नित करने के लिए कह सकती है, जहां प्रश्न आवश्यक थे; या ऐसे महत्वपूर्ण शब्दों या वाक्यांशों को रेखांकित करने के लिए कह सकती है जो पाठ को संक्षेप में प्रस्तुत करने में मदद करेंगे। |
| चौथा | **रणनीति का स्वतंत्र उपयोग**<br>समय के साथ, छात्र स्वतंत्र रूप से रणनीतियों का उपयोग करना शुरू कर देंगे। इस बिंदु पर, शिक्षक की भूमिका छात्रों का निरीक्षण करना है और, यदि आवश्यक हो, तब तक छात्रों का फिर से मार्गदर्शन या मॉडल करना है, जब तक कि छात्र अपनी रणनीति के उपयोग में आश्वस्त नहीं हो जाते। |

चित्र 1 ज़िम्मेदारी का क्रमिक हस्तांतरण मॉडल (GRR मॉडल) का दृश्यात्मक विवरण प्रदान करता है जो कि तालिका 1 में वर्णित है।




***चित्र 1.*** *समझ की शिक्षण के लिए GRR। Www.literacycompanion.weebly.com से रूपान्तरित*

**भाग B: समझ की रणनीतियाँ और गतिविधियाँ**

यह खंड आपको कक्षा में पढ़ाने वाली समझ की रणनीतियों के चयन से परिचित कराएगा। ये निम्नलिखित हैं:-

- पूर्व ज्ञान को सक्रिय करना
- अनुमान लगाना
- चित्रों या दृश्यों के रूप में प्रदर्शन
- सारांश निकालना

दो अन्य रणनीतियाँ बोलते हुए सोचना (think aloud) और प्रश्न पूछना को ई एल आई के दुसरे हैंडआउट में बताया जाएगा। यहाँ बताई गयी रणनीतियाँ व्यापक रूप से काफी अलग है। हमने इन्हें इसलिए चुना है हैं क्यूंकि ये रणनीतियां कक्षा में आसानी से समझ बनाने में बहुत सहयोगी होंगी । एक बार शिक्षक जब इन समझ बनाने की रणनीतियों का उपयोग करने के उद्देश्य और प्रक्रिया को आत्मसात कर लेते हैं तो आवश्यकता पड़ने पर वे अन्य रणनीतियों के बारे में भी अध्ययन कर सकते

### पूर्व ज्ञान

पूर्व ज्ञान का मतलब उस ज्ञान से है जो आप पहले से जानते हैं । जब पाठक पढ़ी जाने वाली विषयवस्तु के साथ अपने पूर्व ज्ञान को मिलाकर देखते हैं, तब वे पढ़े गए पाठ को और बेहतर तरीके से समझ पाने की स्थिति में होते

हैं।

कोई भी पाठ हर उस चीज़ का वर्णन नहीं कर सकता जो की पाठक को पाठ की समझ बनाने के लिए आवश्यक हो। यानि कोई भी पाठ अपने आप में पाठक की सारी ज़रूरतों को पूरा नहीं कर सकता है।इस वाक्य पर विचार कीजिए, " गांव के बाज़ार में काफी भीड़ थी, गर्म समोसे की खुशबू आ रही थी और लोग पसीने से तर-बतर थे। " यह वाक्य हममें से कुछ लोगों के लिए कल्पना करने का अवसर पैदा कर सकता है। लेकिन अगर यही वाक्य किसी ऐसे व्यक्ति द्वारा पढ़ा जाता है, जिसने कभी गाँव का बाज़ार नहीं देखा है, या किसी को पता नहीं है कि समोसा क्या है, और वह तले जाने के दौरान कैसे खुशबू देता है। तो क्या वे पाठ के उसी अर्थ को बनाने में सक्षम होंगे जो एक प्रचुर मात्रा में पूर्व ज्ञान वाला व्यक्ति करता है?

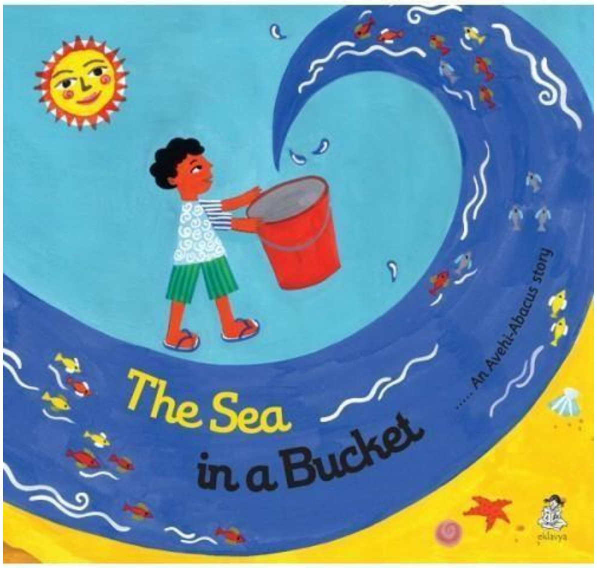
आप किसी विषय के बारे में जितना अधिक जानते हैं, आप उतना ही उस पाठ से जुड़ पाते हैं और आप उतना ही ज़्यादा उस पाठ से सीखने की स्थिति में होते हैं। पढ़ने के दौरान अच्छे पाठक लगातार अपने पूर्व ज्ञान को सक्रिय करते हैं और उस पर नज़र रखते हैं, जबकि कमज़ोर पाठक अक्सर ऐसा नहीं करते हैं। ऐसा नहीं है की कमज़ोर पाठक व्यापक रूप से कम पढ़ पाते है, एवं विभिन्न विषयों पर उनका पूर्व ज्ञान अच्छे पाठकों की तुलना में कम है। यहां तक कि जब कमज़ोर पाठक किसी विषय के बारे में कुछ जानते भी होते है तो भी वे उसी विषय के बारे में एक नया पाठ पढ़ते समय उसे अपने पूर्व ज्ञान से नहीं जोड़ पाते हैं।

इसलिए शिक्षकों को निरंतर बच्चों को पूर्व ज्ञान का इस्तेमाल करने के विभिन्न तरीकों को लगातार मॉडल करके दिखाना चाहिए। इसके साथ ही साथ इस बात की निगरानी के लिए भी तैयार करना चाहिए कि वे अपने पूर्व ज्ञान का कितना इस्तेमाल कर रहे हैं। पूर्व ज्ञान का उपयोग छात्रों को सिखाने के लिए, शिक्षकों को उन पुस्तकों का उपयोग करना चाहिए जो छात्रों के संदर्भ से जुड़ती हों, जहाँ पाठक के पास अपने अनुभवों और ज्ञान को पाठ से जोड़ने के कई अवसर हों। कक्षाओं में उन पुस्तकों के सुझावों के लिए तालिका 4 देखें जिनका उपयोग कक्षाओं में बच्चों के पूर्व ज्ञान को सक्रिय करने के लिए किया जा सकता है।

आइए देखें कि "बाल्टी में समंदर" एकलव्य प्रकाशन, 2013, पुस्तक के माध्यम से यह कैसे किया जा सकता है? (चित्र संख्या 2 देखें) यह पुस्तक पाठक को यह बताने का प्रयास करती है कि हमारे घरों में जिस पानी का उपयोग किया जाता है, वह कहाँ से और कैसे आता है। चूंकि सभी घरों में पानी का उपयोग किया जाता है, इसलिए हर व्यक्ति इस किताब से आसानी से जुड़ सकता है। पुस्तक को पढ़ने से पहले बच्चे के पूर्व ज्ञान का निर्माण करने के लिए , शिक्षक प्रश्न के द्वारा बातचीत करने का प्रयास कर सकते हैं, जैसे:-

[3] For a more detailed description of comprehension strategies and activities see Duke & Pearson (2009) and Ellery (2009).

• आप पानी का इस्तेमाल किस लिए करते हैं?
• आपके घर में पानी कहाँ से आता है?
• क्या आपके घर और स्कूल में पानी एक ही जगह से आता है?



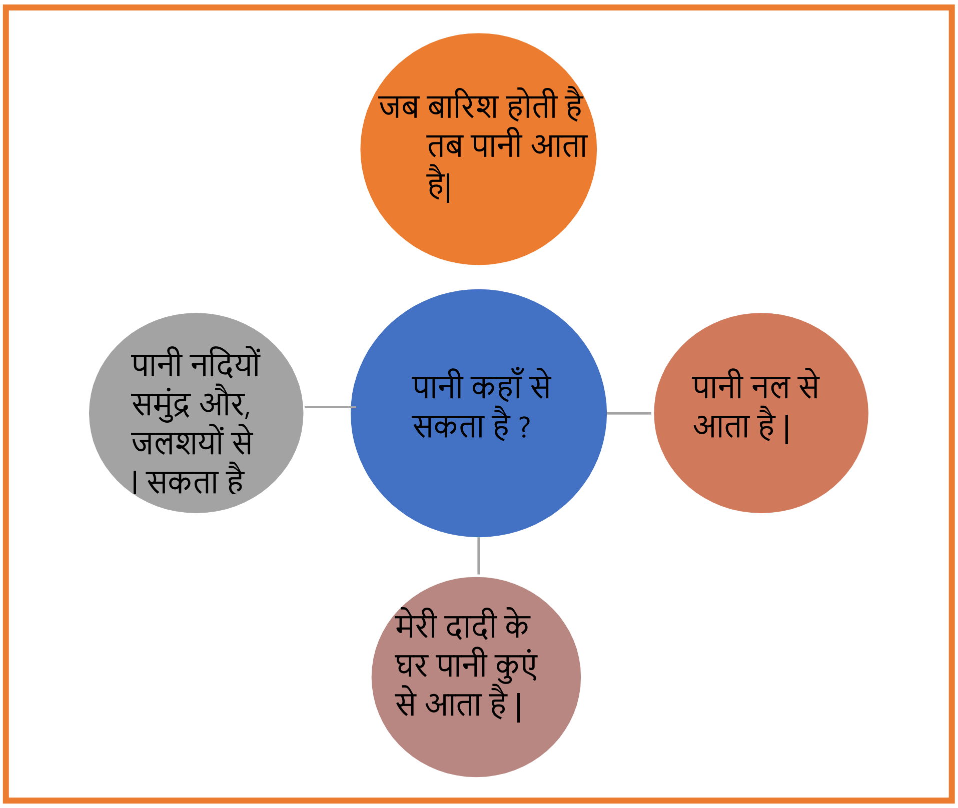

*चित्र :2The sea in a bucket....An avehi abacus story. एकलव्य प्रकाशन2013,*

शिक्षक ने यहाँ क्या किया है? इन सवालों को पूछकर उसने पाठकों को सचेत किया और किताब के प्राथमिक विषय के साथ उन्हें जोड़ा | जल-चक्र और पानी को उपयोग के लिए कैसे सुलभ बनाया जाता है, इसके बारे में सीखने के लिए बच्चे का स्तर अलग अलग हो-सकता हैं। कुछ बच्चों ने वाष्पीकरण और संघनन की प्रक्रिया के बारे में सुना हो सकता है, दुसरे यह अनुमान लगा सकते है कि उनके घरों में पानी पास की झील से आता हैं, लेकिन कुछ बच्चें ऐसे भी हो सकते है जिन्होंने इस बात को पहले ज्यादा ध्यान नहीं दिया था, लेकिन अब जानने के लिए उत्सुक हैं। पाठ के साथ उनके जुड़ाव में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि जो किताब में लिखा है उसे वे अब केवल निष्क्रिय होकर प्राप्त नहीं करते हैं बल्कि अपने ज्ञान और प्रश्नों से सक्रिय रूप से विचारों को गढ़ भी रहे हैं।

इसी तरह पाठ पढ़ते समय शिक्षक विभिन्न बिंदुओं पर रुक कर छात्रों को जो वे पढ़ रहे है उससे, उनके पूर्व ज्ञान को जोड़ते हुए प्रश्न भी पूछ सकते हैं। याद रखें पाठ को -शुरू से आखरी तक पढ़नेके दौरान पूर्व ज्ञान से जोड़ा जा सकता है ना की केवल पाठ पढ़ने से ठीक पहले।

गतिविधियाँ

a. विचारों का जाल : किसी पाठ को पढ़ने से पहले उसके मुख्य विचार को बताएं। बच्चों को एक पृष्ठ के बीच में मुख्य विचार को लिखने के लिए कहें। मुख्य विचार के आसपास, उन्हें उन चीजों को लिखने के लिए कहें जो वे इसके संबंध में जानते है या सोच सकते हैं।


जब बारिश होती है तब पानी आता है|
पानी नदियों समुंद्र और, जलशयों से । सकता है
पानी कहाँ से सकता है ?
पानी नल से आता है |
मेरी दादी के घर पानी कुएं से आता है |

चित्र 3 : विचारों का जाल

*b.* विचारों का रेखाचित्र बनाना चित्र :4 में बच्चे के परिवेश में पानी के विभिन्न उपयोगों को दर्शाया गया है। इस चित्र के संक्षिप्त विवरण के बाद, शिक्षक छात्रों को अपने परिवेश में पानी के विभिन्न स्रोतों और उपयोगों को चित्र के मध्याम से दर्शाने के लिए कह सकते हैं।




***चित्र 4.*** *पानी का उपयोग। चित्र सौजन्य: The sea in a bucket , An avehi abacus story । एकलव्य प्रकाशन, 2013।*

*c.* चित्र के जरिए कहानी समझना (पिक्चर वाक): : इस गतिविधि में पाठक चित्रों के माध्यम से किताब की एक कहानी सुनाते हैं। चूंकि पाठक को चित्रों के माध्यम से अर्थ पूर्ण कहानी बनानी है, इसलिए इसमें पाठक को अपने पूर्व ज्ञान और विचारों को शामिल करने की पूरी आज़ादी होती है। हालाँकि यह गतिविधि शब्दरहित चित्र पुस्तकों के लिए बहुत अच्छी तरह से काम करती है, यह गतिविधि चित्र के साथ पाठ वाली पुस्तकों के लिए भी इस्तेमाल की जा सकती है। फिर भी ऐसी पुस्तकों को न चुनें , जिनमें किया गया पूर्वावलोकन कहानी के आश्चर्य या रहस्य को खत्म कर सकता है। जुगनू प्रकाशन द्वारा मोर डूंगरी (चित्र 5 देखें) चित्रों के साथ चलने की गतिविधि के लिए एक उत्कृष्ट पुस्तक है। यह किताब मोर के बारे में है। इसमें सुंदर चित्रों का उपयोग किया गया है जो केवल पाठ का सहयोग ही नहीं करते बल्कि इसे जीवंत भी बनाते हैं। यह वर्णन पाठ और उसके विषय वस्तु के बारे में व्यापक जानकारी देता है । इस उदाहरण में राजस्थान की जीवन शैली और मोर के बारे में बताया गया है|

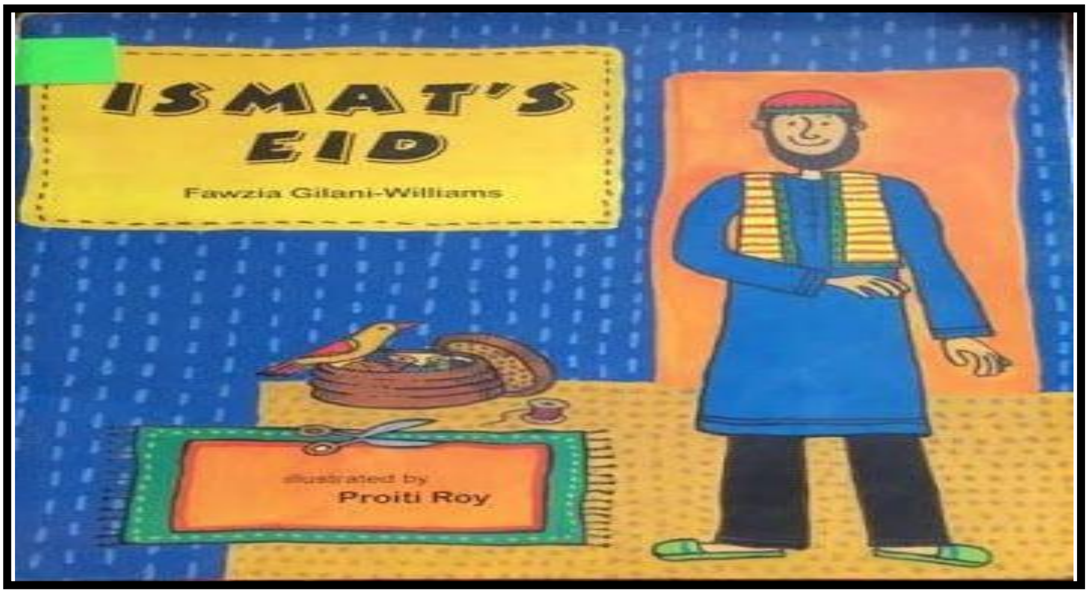


***चित्र .5*** *मोर डूंगरी। लेखक और चित्रकारसुनीता :, जुगनू प्रकाशन, 2018आकृति*

**अनुमान लगाना**

अनुमान से तात्पर्य किसी पुस्तक के बारे में लगाए गये अंदाज़ों से है जैसे:- यह पुस्तक किस बारे में है? पाठ में आगे क्या होगा? अच्छे पाठक पाठ पढ़ने से पहले और उसके दौरान लगातार अपने अनुमान लगाते हैं। ये अनुमान विभिन्न तत्वों जैसे:- किताब के मुख्य पृष्ठ, चित्र, शीर्षक और शैली द्वारा दिए गए संकेतों पर आधारित होते हैं।

यह महत्वपूर्ण क्यों है? जब हम अनुमान लगाते हैं तो हम उस पुस्तक के साथ जुड़ जाते हैं, और उसके द्वारा दिए गए संकेतों पर पूरा ध्यान देते हैं। यह ध्यान देना,पठन प्रक्रिया में हमें सक्रिय प्रतिभागियों के रूप स्थान दिलाता है और पाठ के गहन अर्थ निर्माण की ओर ले जाता है। अनुमान लगाना सिखाने के लिए उन पाठों का चयन करना महत्वपूर्ण है जो शीर्षक, चित्र, उप-शीर्षक, चरित्र-चित्रण और कथानक के लिए पाठक को समृद्ध संकेत देते हैं। संदर्भ के लिए तालिका 4 में किताबों का सुझाव दिया गया है जिसका उपयोग कक्षाओं में अनुमान लगाने को तकनीक के रूप में सिखाने के लिए किया जा सकता है।



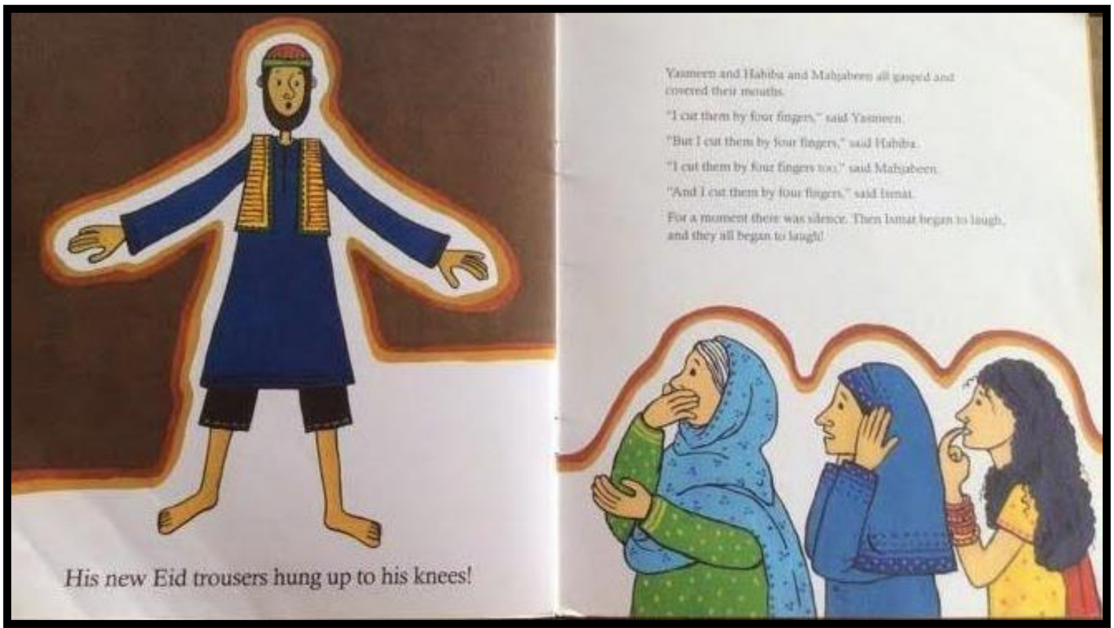

*चित्र 6. इस्मत की ईद का कवरगिलानी विलियम्स :पेज। लेखक-, चित्रकार प्रीति रॉय : तूलिका पब्लिशर्स, 2007।*

आइए, इसे बेहतर समझने के लिए इस्मत की ईद (फ़वज़िया गिलानी विलियम्स, तुलिका पब्लिशर्स, 2007) पुस्तक देखें। 'इस्मत की ईद' एक आदमी की कहानी है जिसने ईद पर पहनने के लिए एक पतलून खरीदी है और वह पाता है कि यह पतलून बहुत लंबी है। उसने अपने परिवार के विभिन्न सदस्यों से उसे छोटा करने का अनुरोध किया परन्तु सबने मना कर दिया क्योंकि वे सभी ईद की तैयारियों में बहुत व्यस्त हैं। तब वह इसे खुद ही छोटा कर लेता है। इसके बाद, एक-दूसरे से पतलून की लंबाई कम करने से अनजान, उसके परिवार के प्रत्येक सदस्यों ने बारी-बारी से उसकी पतलून की लंबाई को कम कर दिया। इससे उसकी पतलून बहुत छोटी हो जाती है । इस हास्य पैदा करने वाली स्थिति से पाठक इस किताब को पढ़ते हुए परिचित होते हैं।

अनुमान लगाने का एक तरीका पाठ का पूर्व अवलोकन करना भी है। पूर्व-अवलोकन में पाठ को पढ़ने से पहले इसे एक बार ऊपरी तौर से देखना शामिल है। उदाहरण के लिए, जब हम किताब के मुख्य पृष्ठ (कवर) को देखते हैं, तो शीर्षक हमें बताता है कि यह पुस्तक ईद के बारे में हो सकती है। इस किताब के कवर पेज़ के चित्रण में धागे की रील और कैची से हमें पता चलता है कि शायद यह पाठ सिलाई कटाई से भी संबंधित है। देखें चित्र 6

शिक्षक पूर्वानुमान लगाने के लिए बच्चों को किताब के कवर पेज (शीर्षक और चित्र) को बारीकी से देखने की आदत डालने में मदद कर सकते हैं। लेकिन कवर पेज या शीर्षक ही एकमात्र ऐसे स्थान नहीं हैं, जहां हम पाठ के बारे में संकेत प्राप्त कर सकते हैं। पाठक सचित्र पुस्तकों में बाकी चित्रों का भी पूर्वावलोकन कर सकते हैं; वे तथ्य-परक (नॉन फिक्शन) किताबों के शीर्षक और उप-शीर्षक को भी बारीकी से देख सकते है; और वे अध्याय वाली पुस्तकों के अध्याय के नामों को भी बारीकी से देख सकते है। ताकि कौन-कौन से टॉपिक कवर किये गये हैं, उनका पता बतौर पाठक लगा सकें।

पूर्व अवलोकन के अलावा, अच्छे पाठक पाठ पढ़ते समय भी अनुमान लगा सकते है कि कहानी में आगे क्या होगा। इस्मत की ईद (चित्र 7 देखें) में, वे पाठ के दोहराए जाने वाले तत्वों का उपयोग करके यह अनुमान लगा सकते हैं कि आगे क्या होगा। उदाहरण के लिए, इस्मत की पतलून 4 बार सिले जाने के बाद, पाठक को पहले से पूरी तरह से पता है कि कहानी में अब आगे क्या होने वाला है?




***चित्र 7.*** *इस्मत के पतलून को चार बार मोड़ने और सिलने के बाद।*

अन्य प्रकार के पाठों में, पूर्वानुमान लगाने के विभिन्न पहलू सहायक हो सकते हैं; कहानी के घटना में नया मोड़ या स्थान परिवर्तन रूककर पूर्वानुमान लगाने का एक बढ़िया मौका हो सकता है। इसलिए, पूर्वानुमान अर्थ-निर्माण के लिए एक अत्यंत महत्वपूर्ण तकनीक है। पूर्वानुमान के दौरान क़िताब के साथ जुड़ाव पाठक को प्रक्रिया में गहराई से जोड़ता है, जिससे समझ मज़बूत होती है।

गतिविधियाँ

*d.* समूहिक पूर्वानुमान की गतिविधियाँ: बच्चों को दो समूहों में विभाजित करें। पहले समूह में छात्रों से शीर्षक, कवर या चित्र के आधार पर पूर्वानुमान वाले प्रश्न पूछने के लिए कहें। दूसरे समूह के छात्रों से इन सवालों के उत्तर देने के लिए कहें। इस्मत की ईद कहानी के, कवर पेज पर इस तरह के प्रश्न कर सकते है:

- यह कहानी किस बारे में है?
- फर्श पर धागे और कैंची क्यों हैं?
- क्या इसमें इस्मत एक दर्जी है?
- कहानी से ईद का क्या लेना-देना है?

इसी प्रकार, से निम्न प्रश्न जिन्हें पढ़ते समय शामिल किया जा सकता है:

• क्या इस्मत का परिवार उसके उपहारों को पसंद करेगा?
• उसका परिवार क्या करता है?
• अब जब पतलून इतना छोटी हो गई है, तो आपको क्या लगता है कि इस्मत उसे पहन पायेगा?

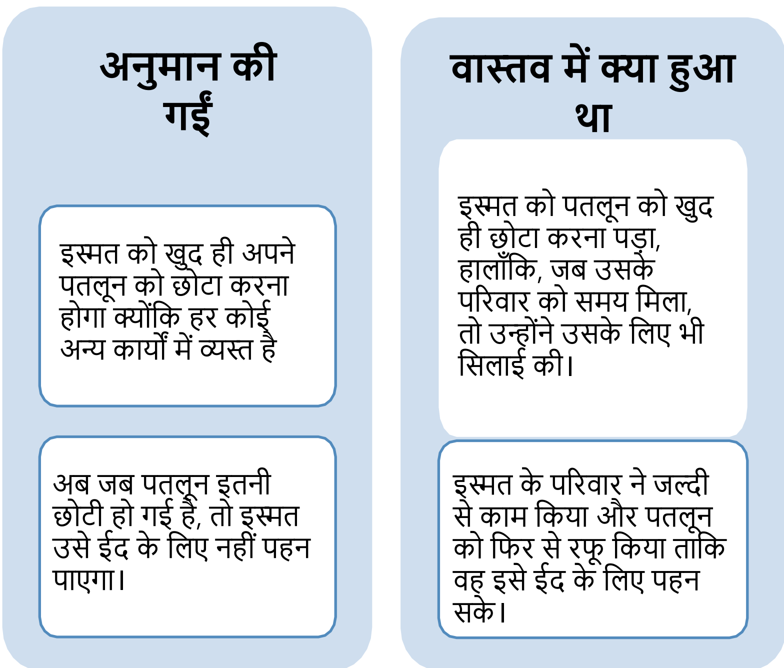
जैसे-जैसे कहानी आगे बढ़ती है, समूह अपने द्वारा लगाये गए पूर्वानुमान को देख सकते है कि वो कितने सटीक थे। यह ध्यान रखें कि पूर्वानुमान लगाने की रणनीति का अभ्यास शिक्षकों द्वारा शुरू किया जाना चाहिए तथा एक निर्धारित समय तक इसका प्रदर्शन किया जाना चाहिए।

e. अपनी पुस्तक खोजें: छात्रों को दस के समूहों में विभाजित करें। प्रत्येक छात्र को पुस्तक विवरण के साथ कागज़ की एक पर्ची दें। पर्ची में लिखी गई दस पुस्तकों को फर्श पर फैलाएं। छात्रों को कवर पेज के साथ विवरण का मिलान करके अपनी किताबें खोजने के लिए कहें।

उदाहरण के लिए, इस्मत की ईद कहानी का वर्णन हो सकता है, "एक आदमी एक त्योहार के बारे में उत्साहित है, लेकिन अपने कपड़ों के बारे में परेशान है!" पुस्तक का चयन करने और पढ़ने के बाद, उनसे पूछें कि क्या उन्होंने सही चुना है।

f. दो-कॉलम शीट: पाठ शुरू करते ही पाठक दो-कॉलम की शीट बना सकते हैं। बाएं हाथ की तरफ "अनुमान" लेबल किया जा सकता है। यहां छात्र कहानी पढ़ते समय विभिन्न बिंदुओं पर अपने अनुमानों को रिकॉर्ड कर सकते हैं। आप दाईं ओर "वास्तव में क्या हुआ" लेबल लगा सकते हैं। इस तरह से छात्रों ने कहानी को दो पहलुओं को रिकॉर्ड करके देखा। दो-कॉलम शीट का एक उदाहरण चित्र 8 (निम्न पृष्ठ पर) में देखा जा सकता है।

h. पाठ की छवि :- इससे पहले कि छात्र पढ़ना शुरू करें, उन्हें पुस्तक में अध्याय के नाम और चित्रों का पूर्वावलोकन करने के लिए प्रोत्साहित करें। यह उन्हें पुस्तक के बारे में कुछ छवि बनाने के लिए प्रेरित करेगा। उन्हें इन विचारों को एक पत्रिका या नोटबुक में रिकॉर्ड करने के लिए कहें। बाद में, जैसे-जैसे वे पढ़ते जाते हैं, उन्हें अपने छवि के सटीकता की पुष्टि करने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है।




***चित्र 8 :-*** *दो-कॉलम शीट का उदाहरण*

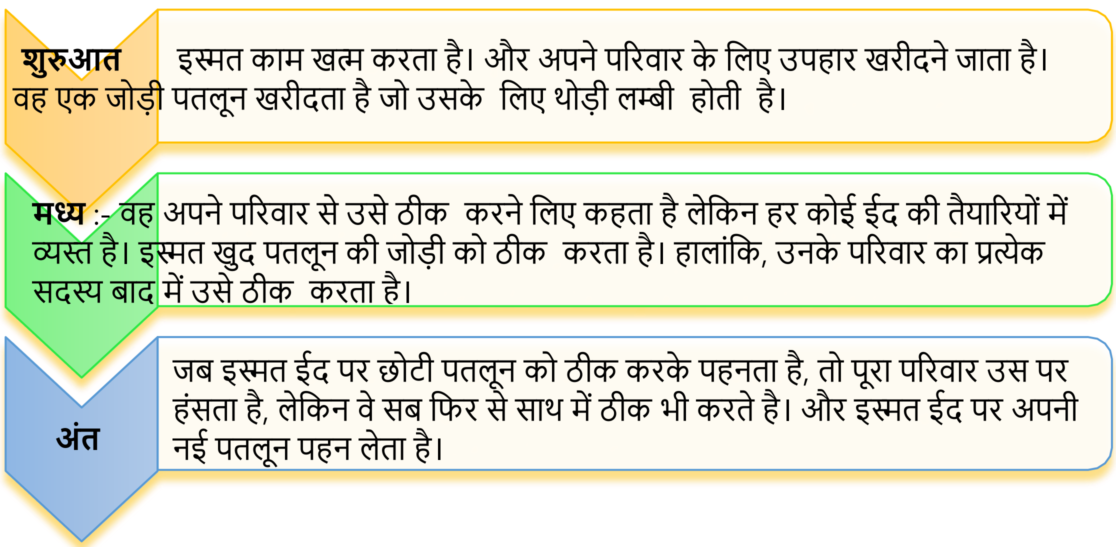
**दृश्य निरूपण ( Visual Representation)**

छात्रों की समझ को बढाने में मदद के लिए पाठ में आये विचारों और सूचनाओं को दृश्य निरूपण ( **Visual Representation)**द्वारा दर्शाया जा सकता है। सघन/गहन पाठों में बहुत सारी जानकारी ऐसी होती है जिससे समझना मुश्किल हो सकता है। कभी-कभी, यदि हम किसी पाठ में विचारों को समझ भी लेते है , तो भी हम उन्हें याद रखने या किसी और को बताने या प्रस्तुत करने में सक्षम नहीं होते है। दृश्यनिरूपण ( **Visual Representation)** कई तरीकों से किसी पाठ में विचारों को व्यक्त करने, समझने और वर्णन करने में मदद करता हैं। हम उनका उपयोग विभिन्न तरीकों से कर सकते हैं, जैसे तुलना करने के लिए, पाठ को संक्षिप्त करने के लिए, कारण-प्रभाव संबंधों को दर्शाने के लिए, निर्धारित समय दिखाने के लिए, या तथ्य परक पाठों में प्रक्रियाओं का वर्णन करने के लिए। कक्षाओं में बनाए गए चार्ट ,जल के चक्र, खाद्य श्रृंखला, देशों के नक्शे, नदी के मार्ग और ग्राफ के दृश्य को दर्शाने के उदाहरण हैं।

दृश्य रणनीतियों का सबसे अच्छा उपयोग किसी पाठ को पढ़ने के बाद, या पढ़ने के दौरान किया जाता है। दृश्य रणनीति को समझने के लिए तथ्य-परक सूचनात्मक पाठ एक अच्छा प्रारंभिक बिंदु हो सकता है। हम कहानी के प्रवाह, चरित्र, विषय और कथानक को बेहतर ढंग से समझने और प्रस्तुत करने के लिए दृश्य साधनों का उपयोग कर सकते हैं। पुस्तकों के सुझावों के लिए तालिका 4 देखें, जिसका उपयोग कक्षाओं में मॉडल बनाने और दृश्य रणनीतियों को सिखाने के लिए किया जा सकता है।

गतिविधियाँ

*a.* स्टोरी मैप (story map): छात्रों को कहानी में घटनाओं के अनुक्रम का वर्णन करने के लिए स्टोरी मैप बनाने के लिए कहा जा सकता है। कहानियों को तीन भागों में तोड़ा जा सकता है-शुरुआत, मध्य और अंत। छात्रों को इस तरह तीन भागों में कहानी को प्रस्तुत करने के लिए कहा जा सकता है। उदाहरण के लिए, चित्र 9 में इस्मत की ईद के लिए एक स्टोरी मैप दिखाया गया है।




**चित्र 9.** स्टोरी मैप और फ़्लोचार्ट का एक उदाहरण।

*b.* तुलनात्मक चार्ट: दो-कॉलम शीट का उपयोग करके, छात्र दो कहानियों पर पात्रों, पाठ की संरचनाओं और अन्य की तुलना कर सकते हैं। चित्र 10, उन दो पाठो के बीच तुलना करने का एक उदाहरण प्रस्तुत करता है जिन पर हम चर्चा करते आ रहे हैं - इस्मत की ईद और एक बाल्टी में समुद्र।

| इस्मत की ईद | एक बाल्टी में समुद्र |
|---|---|
| • यह कथा विधा की किताब है।<br>• यह एक पिक्चर बुक है<br>• इस किताब की केंद्रीय थीम त्योहार, परिवार और उसके सदस्यों के आपसी लगाव के बारे में हैं | • यह कथेतर विधा की किताब है।<br>• यह भी एक पिक्चर बुक है<br>• इस किताब की केंद्रीय थीम जल संरक्षण है। |

***चित्र 10.*** *तुलनात्मक चार्ट का उदाहरण*

c. विचारों का विवरण चार्ट: छात्रों को किसी पाठ के मुख्य विचारों और उसके सहायक विवरणों के बीच अंतर करना सिखाया जा सकता है। अधिकतर छात्रों को जब पाठ का सारांश करने को कहा जाता है तो वह पाठ में आये सभी विचारों का वर्णन कर देते है क्योंकि वे केंद्रीय विचार और सहायक विचारों में अंतर करने में सक्षम नहीं होते। और छात्र स्पष्ट रूप से यह भी नहीं देख पाते की कुछ विचार कहानी में आये हुए दुसरे विचारों का आधार बनाते है| इस रणनीति का उपयोग करने से उन्हें विभिन्न विचारों को पहचानने में मदद मिलेगी (फाउंटेन एंड पिनेल, 2001)। तालिका 2 एक उदाहरण प्रदान करती है।

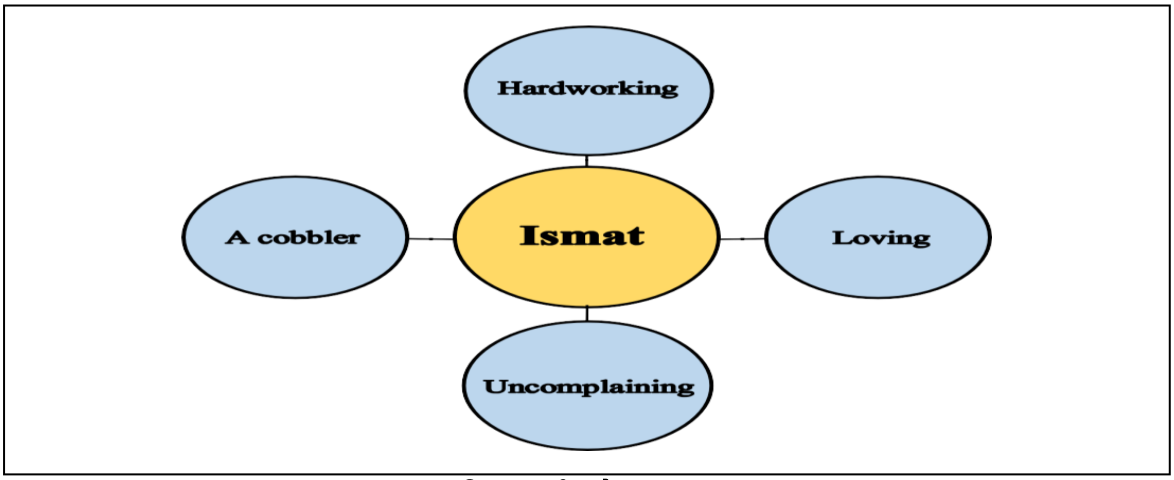
Table 2

विचार-विवरण चार्ट का उदाहरण

| **इस्मत की ईद<br>विचार-विवरण चार्ट** | |
|---|---|
| **विचार** | **विवरण** |
| इस्मत एक सीधा- सादा और मेहनती आदमी है | • पहले पन्ने पर, हम देखते हैं कि इस्मत को काम करते हुए पूरा दिन बीत जाता है । इसके बावजूद भी वह अपने परिवार के लिए उपहार खरीदने जाता है।<br>• बाद में कहानी में, वह अपनी पतलून को ठीक करने का काम करता है। |

| | |
|---|---|
| इस परिवार के लिए ईद एक महत्वपूर्ण त्योहार है | • इस्मत परिवार के लिए उपहार खरीदने जाता है।<br>• स्वादिष्ट व्यंजन बनाए जा रहे हैं, जैसे कि, शीरकोरमा, बिरयानी और समोसा। |
| इस्मत के परिवार के सदस्यों के बीच प्यार है | • इस्मत सबके लिए ईद के लिए कुछ नया खरीदने की सोचता है।<br>• परिवार का हर सदस्य इस्मत की पतलून को ठीक करने में मदद करता है।<br>• जब उन्हें पता चलता है कि यह बहुत छोटा है, वे तब इसे फिर से ठीक करने में मदद करते हैं। |

d. पात्रों का 'कैरेक्टर वेब' बनाना। इसमें मुख्य पात्रों के गुणों को शब्दों के माध्यम से लिखकर व्यक्त किया जाता है। लिखे गये गुणों को कहानी में दिए तथ्यों द्वारा समर्थन किया जा सके, इस बात का भी ध्यान रखना बेहद जरूरी है। चित्र 11 में इस्मत की ईद के लिए चरित्र वेब का एक उदाहरण है। ऐसे उदाहरण अन्य किताबों के पात्रों के माध्यम से बनाए जा सकते हैं और बच्चों के सामने प्रस्तुत किया जा सकता है। इससे उनके समझ निर्माण को मदद मिलेगी और आसानी के साथ शब्दों के जरिये वे अपनी समझ को अभिव्यक्ति दे सकेंगे।

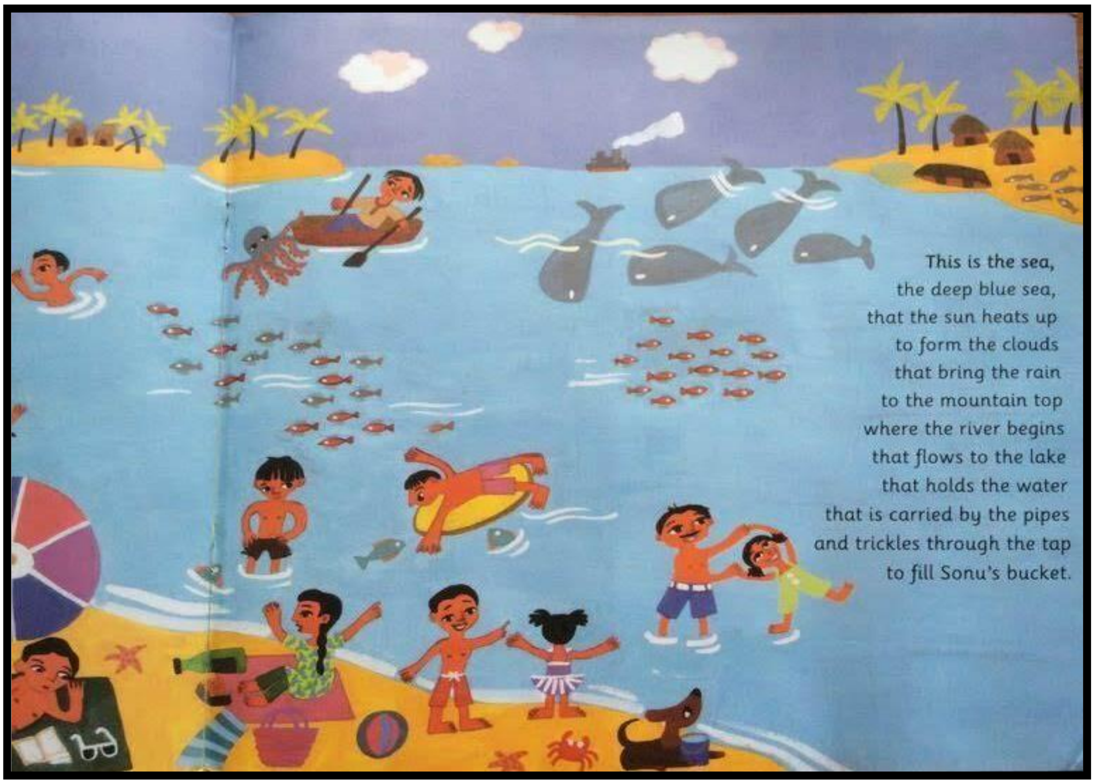



*चित्र11 चरित्र वेब का उदाहरण*

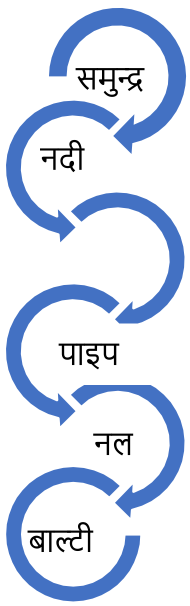
कैरेक्टर वेब (चरित्र चित्रांकन) में उल्लिखित लक्षणों के लिए साक्ष्य:

- मोची : यह पहले पृष्ठ पर पाठ और चित्र में वर्णित किया गया है
- मेहनतकश : पूरी किताब में, इस्मत को काम करते हुए देखा जाता है। पहले एक मोची के रूप में, फिर उपहार खरीदने में, फिर अपनी पेंट को ठीक करने में ।
- प्यार करने वाला : वह अपने परिवार के लिए सोच समझ उपहार खरीदता है।
- शिकायत न करने वाला: शिकायत नहीं करता है

e रिलेशन चार्ट: रिलेशन चार्ट कक्षाओं में प्रयोग करने के लिए एक उत्कृष्ट उपकरण है। इनका इस्तेमाल तथ्य-परक किताबों में प्रक्रिया, घटनाक्रम और अन्य संबंधों को चित्रित करने में विशेष रूप से उपयोगी है। उदाहरण के लिए, "बाल्टी में समुद्र" किताब में समुद्र से बाल्टियों तक पानी के प्रवाह को चित्रित करने के लिए एक रिलेशन चार्ट बनाया जा सकता है। ( इसे समझने के लिए चित्र संख्या 13 देखें)।




***चित्र 12.*** *समुद्र से बाल्टी में पानी का प्रवाह। चित्र सौजन्य एक बाल्टी में समुद्र एक एवही/दा सी इनअ बकेट : अबैकस कहानी, एकलव्य प्रकाशन, 2013*




***चित्र13**. एक रिलेशन चार्ट जो बाल्टी में समुद्र से पानी के प्रवाह को दर्शाता है।.*

**सार प्रस्तुत करना**

बच्चों को अक्सर किताबें पढ़ने में आनन्द आता है, लेकिन जब उन्हें किसी और के लिए इसे सार करने के लिए कहा जाता है, तो वे किताब की पूरी कहानी को ज्यों का त्यों दोहराने लगते हैं। कहानी दुहराना अक्सर अच्छा होता है, लेकिन पाठकों के लिए यह भी ज़रुरी है कि वे कहानी के सबसे महत्वपूर्ण अंशों को पहचान सकें और इसके कम महत्वपूर्ण विवरण को अलग कर सकें। लेकिन यह विचार जितना आसान लगता है, करने में उतना ही मुश्किल है। इसीलिए बच्चों को सार निकालना सिखाने की ज़रूरत है। इस संदर्भ में दो चीज़ें शामिल हैं -

-

1. महत्वपूर्ण और कम महत्वपूर्ण जानकारी के बीच अंतर करने की क्षमता,

2.जानकारी या सूचना को संक्षेप में बता पाने की क्षमता (ड्यूक एंड पियर्सन, 2009)

कहानी का सारांश या सार संक्षेप बनाने का काम हमेशा किताब पढ़ने के बाद किया जाता है। सारांश कई प्रकार के पाठों का किया जा सकता है, किन्तु सूचना से प्रचुर तथ्य आधारित पाठों के लिए सबसे उपयोगी है । समझ की रणनीति के रूप में सार बनाना सिखाने के लिए कुछ उपयोगी किताबों के सुझाव तालिका-4 में दिये गये हैं।

**गतिविधियाँ**

*a.* अनुच्छेद या पैराग्राफ का सारांश या सार बनाना : किसी पाठ को पूरा पढ़ने तक इंतज़ार करने के बजाय बच्चों को एक पैराग्राफ या अनुच्छेद पूरा होने के बाद उसका सारांश या सार बताने के लिए प्रोत्साहित किया जा सकता है। इसका एक फ़ायदा होता है कि विद्यार्थी पढ़ते समय अपनी समझ की निगरानी या मॉनिटरिंग कर पाते हैं और अनुच्छेद का सारांश बताने की क्षमता उनको पूरे पाठ का सारांश बताने के

लिए तैयार करती है। ऐसा करने के लिए वे अनुच्छेद के ऊपर सवाल पूछ सकते हैं या पूछे गये सवालों के जवाब दे सकते हैं। तालिका संख्या 3 में चित्र 14 सारांश बनाने का एक उदाहरण है-




चित्र 14. झीलों से नलों तक पानी की आवाजाही। छवि सौजन्य

Table 3
पैराग्राफ या अनुच्छेद का नोट बनाने का नमूना

| प्रश्न | उत्तर |
|---|---|
| इस अनुच्छेद/पैराग्राफ में मुख्य विचार क्या है? | पानी का प्रवाह झीलों से बाल्टी तक| |
| इस अनुच्छेद में कौन से तथ्य याद रखने के लिए महत्वपूर्ण है ? | जिन स्थानों से पानी बहता है | |
| क्या हटाया या छोटा किया जा सकता है? | कहानी में प्रयुक्त सभी जोड़ने वाले वाक्यों और वाक्यांशों को |
| अनुच्छेद- सार :पानी को झील से बाल्टी तक पाइप और नालों द्वारा पहुँचाया जाता है | | |

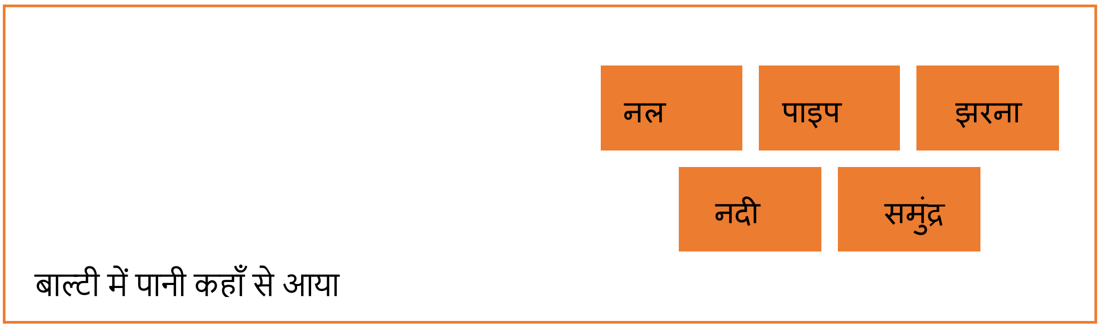
*b.* कथानक का सारांश बनाना किसी किताब को पढ़ते समय, छात्रों को दो तालिकाओं में अपने विचारों को लिखने के लिए कहें। तालिका के पहले हिस्से में मुख्य विचार और दूसरे हिस्से में उसका समर्थन करने वाले तथ्यों को लिखने के लिए कह सकते हैं। बच्चे इस नोट्स का इस्तेमाल किसी पाठ का सार या सारांश लिखने के लिए कर सकते हैं। यहाँ तालिका 2 के विचारों-विवरण चार्ट के आधार पर कथानक सारांश का

एक उदाहरण दिया गया है।

**कहानी इस्मत की ईद :**
कथानक का सारांश

"इस्मत की ईद" कहानी है इस्मत और उनके परिवार की जो ईद की तैयारी में लगे हुए हैं। त्यौहार के एक दिन पहले, इस्मत अपना उस दिन का काम पूरा करता है। अपने परिवार के लिए उपहार खरीदता है और वह अपने लिए भी एक पतलून खरीदता है जो थोड़ी लम्बी है । इस्मत अपने परिवार से पूछता है कि क्या वे उसके लिए पतलून छोटी कर सकते हैं। चूंकि इस्मत के घर के सभी सदस्य ईद की तैयारियों में बहुत ज़्यादा व्यस्त हैं,इसलिए इस्मत ने खुद ही पतलून छोटी कर ली। बाद में, उसके परिवार का प्रत्येक सदस्य एक-दूसरे के काम से अनजान, पतलून को बारी-बारी से छोटी कर देते हैं। इसलिए, ईद के दिन ,इस्मत का पतलून वास्तव में बहुत छोटी हो गई । सभी को इस्मत को पतलून में देख कर बहुत हंसी आई। फिर, सबने एक साथ, पतलून को फिर से ठीक किया, ताकि इस्मत उसको आराम से पहन सके।

c. एक पंक्तिमें सारांश: छात्र एक पंक्ति में एक पाठ को संक्षेप में प्रस्तुत करते हैं। वे इसके लिए GIST प्रक्रिया का उपयोग करते हैं ( कनिंघम1982)। पाठक प्रत्येक अनुच्छेद में मुख्य विचारों को प्रस्तुत करते हैं। उदाहरण के लिए, ***बाल्टी में समुद्र*** में हरनए पेज में एक नए विचार को प्रस्तुत किया जाता है। इसलिए पाठकों की रिकॉर्डिंग कुछ इस तरह दिख सकती है :




अब पाठक इन मुख्य विचारों का प्रयोग करके कहानी का सार 15-20 शब्दों में लिख सकते है |

कहानी:बाल्टी में समुद्र

:GIST इस किताब में पानी के समुद्र से नदियों, झीलों, पाइप और नलों के जरिये बाल्टी तक पहुंचने की कहानी है।

d. **एक मिनट में पुस्तक के बारे में बातचीत (Book Talk)** :
एक मिनट का बुक टाक किसी पढ़ी हुई किताब के बारे में बताने की मौखिक सारांश गतिविधि है। बच्चों द्वारा पुस्तक पढ़ने के बाद, उन्हें पुस्तक के बारे में एक मिनट की प्रस्तुति बनाने के लिए कहें। इस एक

मिनट में , उन्हें समूह को पुस्तक का सार देना चाहिए। छात्रों को उन्हें विशिष्ट संकेत (GIST) देकर सार बनाने में मदद करें , जैसे :

- यह पुस्तक _______ के बारे में है | इसे _____ने लिखा है |
- घटना _____की है
- यह पुस्तक______ ,________ , ___________ बारे में जानकारी देती है
- यह ______ से शुरू होती है, फिर _______ और अंत में ______ से समाप्त होती है
- मुझे यह किताब पसंद आई /नहीं आई क्योंकि _______

**समझ बनाने की रणनीतियो के शिक्षण के लिए प्रस्तावित किताबें :**

हम इस सार-पत्र (हैंड आउट) को तालिका X के साथ समाप्त करते हैं जो कि इच्छुक पाठकों को कक्षा में समझ की रणनीतियों को सिखाने के लिए पुस्तकों की एक प्रस्तावित सूची प्रदान करती है। यह रणनीतियों या पुस्तकों की कोई विस्तृत सूची नहीं है। यह केवल इस दिशा में सोचने व तैयारी में मदद करने के लिए है। वास्तव में, इनमें से कई किताबों का उपयोग विभिन्न रणनीतियों को सिखाने के लिए किया जा सकता है। उदाहरण के लिए, पूरे हैंड आउट के दौरान हमने विभिन्न रणनीतियों के शिक्षण के लिए 'इस्मत की ईद' किताब का उपयोग किया है।
यहां पर चुनी गई किताबें अलग-अलग विधाओं व पठन स्तर की हैं। शिक्षक अपने परिवेश और बच्चों के संदर्भ व उनके पठन स्तर को ध्यान में रखते हुए किताबों का चुनाव कर सकते हैं।

Table 4[3]

समझ बनाने की रणनीतियों के शिक्षण के लिए पुस्तकों का सुझाव

| समझ बनाने की रणनीति | विवरण | शिक्षण रणनीतियों के लिए सुझाई गई पुस्तकें |
| --- | --- | --- |
| पूर्व ज्ञान से जोड़ना | ऐसी पुस्तकों को चुने जो बच्चों के अपने जीवन से गहराई से जुड़ी हो ,इसके चित्र उनको अपने अनुभव के साथ जोड़ने में योगदान दें। पुस्तकों की सूची आपके छात्रों की पृष्ठभूमि सन्दर्भ से भी अलग हो सकता है। | 1. Going Home (Author: Rukmini Banerjee, Illustrator: Santosh Pujari & Ketan Raut; Pratham Books, 2009)<br>2. Aunt Jui's Baby (Madhuri Purandare, Pratham Books, 2012)<br>3. Pranav ka School me Pehla Din (Author: Nandini Nayar, Illustrator: Dilip Chinchalker; Eklavya, 2010)<br>4. Going to a Market (Meera Tendolkar, Pratham Books, 2012) |
| प्रश्न पूछना | किताबें जिनके माध्यम से तथ्य आधारित और निष्कर्षात्मक प्रश्न पूछकर विषय सामग्री के बारे में बच्चों को समझ की आकलन करना सिखाया जा सके | 1. Payal Kho Gayi (Author: Various, Illustrator: Kanak Shashi, Muskaan, 2015)<br>2. Didi Didi Cheezein Upar Kyun Nahi Girti Hain? (Author: Roopa Pai, Illustrator: Greystroke, Pratham Books, 2005) (Two other books in this series) |

[3] Most of the books suggested here are available in multiple languages.

| | | |
|---|---|---|
| | | 3. Khichadi…. Ek Lok Katha (Eklavya, 2007) |
| | किताबें जिनका इस्तेमाल छात्रों को आलोचनात्मक प्रश्न करने और उन प्रश्नों का जवाब देने के लिए सिखाया जा सकता है जिसका जवाब पुस्तक मेंनहीं दिया गया है । | 1. Bhediye ko Dusht Kyun Kehte Hain (Author & illustrator: Quentin Greban, Eklavya, 2017)<br>2. Guthli has Wings (Author & illustrator: Kanak Shashi, Muskaan 2019)<br>3. Bhimrao Ambedkar: The Boy Who Asked Why. (Author: Sowmya Rajendran, Illustrator: Satwik Gade, Tulika Publishers, 2018) |
| अनुमान लगाना | ऐसी किताबें जो पाठकों को साफ़-साफ़ संकेत दें इस रणनीति को करके दिखाने के लिए सबसे अच्छी है | 1. Ashraf ka Udankhatola (Author: Fatima Akilu, Illustrator: Mustafa Bulama, Eklavya, 2012)<br>2. The Hundred and Thirty Seventh leg (Madhuri Purandare, Pratham Books, 2015)<br>3. Harold ki Baingani Pencil (Crockett Johnson, Translation & Illustration: Arvind Gupta, Bhartiye Gyan Vigyan Samiti,2007)<br>**Wordless Picture Books**<br>4. Jab main Moti ko Ghar Laayi (Proiti Roy, Jugnoo Prakashan, 2018)<br>5. Busy Ants (Pulak Biswas, National Book Trust, 2013) |

| | | |
|---|---|---|
| | | 6. Amma Kahan Hain (Author: Nandini Nayar, Illustrator: Srividya Natrajan, Tulika Publishers, 2010) |
| दृश्यात्मक रणनीति (Visual Strategy) | ऐसी पुस्तकें जिनका उपयोग कहानी के हिस्से (प्लॉट ) का visual representations करने के लिए सिखाया जा सकता है। | 1. Mukand and Riaz (Author & illustrator: Nina Sabnani, Tulika Publishers, 2010)<br>2. Kali and the Rat Snake (Author: Zai Whitaker, Illustrator: Srividya Natarajan, Tulika Publishers, 2012)<br>3. Amma Sabki Pyaari Amma (Shankar, Children's Book Trust, 1968) |
| | ऐसी पुस्तके जिनका उपयोग कहानी के चरित्रों (characters) के लक्षणों का visual representations करने के लिए सिखाया जा सकता है। | 1. Ismat's Eid (Author: Fawzia Gilani Williams, Illustrator: Proiti Roy, Tulika, 2007)<br>2. Catch that Cat (Author: Tharini Viswanath, Illustrator: Nancy Raj, Tulika Publishers,2013)<br>3. Kyun Kyun Ladki (Author: Mahashweta Devi, Illustrator: Kanyika Kini, Tulika, 2003) |

| | | |
|---|---|---|
| **Visual Strategy** | तथ्य आधारित किताबें जो विषय सामग्री के दृश्यात्मक रणनीति सिखाने के लिए इस्तेमाल की जा सकती है | 1. The Dance of the Flamingo (Author: Anita Mani, Photographer: Vijay Jumar Sethi, Pratham Books, 2016)<br>2. Turtle Story (Author: Kartik Shanker, Illustrator: Maya Ramaswamy, Pratham Books, 2005) |
| सारांश करना | ऐसी पुस्तके जो समझने में कठिन लगती हो या जिसकी अवधरणा मुश्किल(भारी ) हो वे सारांश करने की रणनीति सिखाने के लिए सर्वोत्तम होती है। | **Non-Fiction Books**<br>1. The House that Sonabai built (Author: Vishaka Chanchani, Photographer: Stephen P. Huyler, Tulika Publishers, 2017)<br>2. Dinaben and the Lions of Gir (Meera Sriram & Praba Ram, Tulika Publishers, 2010)<br>3. The Tale of a Toilet (Author: Veena Prasad, Illustrator: Greystroke, Pratham Books, 2017)<br>**Fiction Books**<br>4. Bumboo…The Donkey who would not Budge (Author: Sujata Padmanabhan, Illustrator: Madhuvanti Anantharajan, Eklavya, 2015)<br>5. Mohini aur Bhasmasur (Shanta Rameshwar Rao, National Book Trust, 2014). |

**निष्कर्ष**

बहुत से छात्र/छात्राएं या बच्चे उन रणनीतियों का स्वाभाविक ढंग से इस्तेमाल नहीं करते जो उनको किसी सामग्री को बेहतर ढंग से पढ़कर समझने में मदद करती है। किसी किताब या पाठ को पूरा पढ़ लेने के बाद समझ की जाँच करने के बजाय या छात्रों को पाठ समझा देने के बजाय , बच्चों को यह सिखाना ज़्यादा महत्वपूर्ण है कि समझने की रणनीतियों का इस्तेमाल पढ़ने के पूर्व, पढ़ने के दौरान और पढ़ने के बाद किस तरीके से करते हैं।

इस सार-पात्र का उद्देश्य आपके लिए कक्षा-कक्ष में समझ की रणनीतियों को प्रभावी ढंग से उपयोग करने हेतु एक विस्तृत समझ बनाना है। यह महत्वपूर्ण है कि हम बच्चों को साफ-साफ बताएं कि क्यों और कैसे समझ की रणनीतियों का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। इन रणनीतियों का प्रदर्शन विद्यार्थियों के लिए पहले शिक्षकों द्वारा किया जाना चाहिए, फिर धीरे-धीरे इन्हें प्रयोग करने की ज़िम्मेदारी विद्यार्थियों या छात्र/छात्राओं पर डाली जानी चाहिए।

इस हैंड आउट के भाग 2 में चार रणनीतियों का वर्णन किया गया ह अनुमान लगाना ,सारांश बनाना,दृश्य रणनीतियां (Visual Strategy )और पूर्व ज्ञान को सक्रिय करना। इन रणनीतियों के अलावा कई और अन्य उपयोगी रणनीतियां हैं , हम आपको खुद से और अधिक जानकारी प्राप्त करने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।इस हैंड आउट के भाग 2 में पाठकों को थिंक अलाउड ( बोलते हुए सोचना) प्रारूप का उपयोग करने और रणनीति बनाने के तरीके के बारे में अधिक गहराई से सीखने को मिलेगा।

**Adapted from ELI Handout 14 (2019): "Teaching comprehension Strategy Part I : Introduction and Overview"**

**References**

Duke, N. K., & Pearson, P. D. (2009). Effective practices for developing reading comprehension. *Journal of Education*, *189* (1-2), 107-122.

Cunningham, J. W. (1982). Generating interactions between schemata and text. In J. A. Niles & L. A. Harris (Eds.), *New inquiries in reading research and instruction* (pp. 42-47). Rochester, NY: National Reading Conference.

Ellery, V. (2009). *Creating Strategic Readers: Techniques for developing competency in phonemic awareness, phonics, fluency, vocabulary, and comprehension.* Newark, DE: International Reading Association.

Fountas, I. C., & Pinnell, G. S. (2001). Supporting Readers and Writers: Tools That Make a Difference in Comprehending and Constructing Texts. In I. C. Fountas, & G. S. Pinnell, *Guiding Readers and Writers, Grades 3-6: Teaching Comprehension, Genre, and Content Literacy.* (pp. 440-460). Heinemann, 88 Post Road West, PO Box 5007, Westport, CT 06881.

Menon, S., Krishnamurthy, R., Sajitha, S., Apte, N., Basargekar, A., Subramaniam, S., Nalkamani, M., & Modugala, M. (2017). *Literacy Research in Indian Languages (LiRiL): Report of a three-year longitudinal study on early reading and writing in Marathi and Kannada*. Bangalore: Azim Premji University and New Delhi: Tata Trusts.

Pressley, M. (2001). Comprehension instruction: What makes sense now, what might make sense soon. *Reading Online, 5*(2), pp. 1-14.

Sah, S. (2009). *Reading Hindi literature in elementary school context*. Unpublished M.Phil Dissertation, University of Delhi, Delhi.

Sinha, S. (2018). *Reading comprehension instruction: Developing engaged readers* [Blog Piece]. Retrieved from http://eli.tiss.edu/reading-comprehension-instruction-developing-engaged-readers/

**Author**: Shuchi Sinha

**Conceptual Support and Editing**: Shailaja Menon

**Copy Editing**: Chetana Divya Vasudev

**Layout and Design**: Harshita V. Das